श्री सभापतिः अच्छा, मिरीजी।

श्री गोविन्दराम मिरीः सभापति महोदय, कन्याकुमारी कितना महत्वपूर्ण स्थान है इसको बताने की आवश्यकता नहीं है। देशी और विदेशी पर्यटक वहां काफी संख्या में जाते हैं और उसका अपना एक स्थान है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या नागर विमानन मंत्रालय की तरफ से इसे एयरलाइन्स से जोड़ने का प्रस्ताव भेजा गया है? यदि नहीं तो क्या मंत्री जी इस संबंध में कुछ विचार रखती हैं क्योंकि अभी त्रिवेंद्रम से वहां बाई रोड जाना पड़ता है?

कुमारी उमा भारतीः सभापति जी, यह क्वेश्चन भी मेरी परिधि से बाहर का है क्योंकि जो सवाल पूछा गया है यह तामिलनाडु के 1999-2000 के प्रोजेक्ट्स के बारे में और कन्याकुमारी के 1999-2000 के प्रोजेक्ट्स के बारे में था। इसलिए जब 1997 के प्रोजेक्ट्स की बात आई तो या तो मैं पूरा पेपर देखूं जो नीचे कहीं लिखा हुआ होता है और उसमें सदन का समय खराब करूं। आपने जो सवाल किया है उसके बारे में अगर कोई मैटर इस तरह का हुआ होगा...**(व्यवधान)** एविएशन से हम तो खुद चाहते हैं क्योंकि टूरिज्म मिनिस्ट्री अपने आप में ऐसी मिनिस्ट्री है जिसके हाथ पांव होते ही नहीं हैं। हमें एविएशन का मुंह देखना पड़ता है, हमें रेलवे का मुंह देखना पड़ता है, हमें सरफेस ट्रांसपोर्ट का मुंह देखना पड़ता है और सबसे बड़ी बात है कि कान्फरेंस में नहीं होने के कारण हमें राज्यों का मोहताज होना पड़ता है कि वे हमें पहले स्कीम बनाकर भेजें। माननीय मेम्बर ने जो बात कही है इसके बारे में मैं जानकारी करके उन्हें सूचित कर दूंगी।

दिल्ली और कलकत्ता के बीच भागलपुर के रास्ते से विमान सेवाएं चलाया जाना

*324. **श्री जनार्दन यादवः** क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि:

(क) क्या सरकार ने दिल्ली और कलकत्ता के बीच बरास्ता भागलपुर विमानन सेवाएं चलाने की किसी योजना को स्वीकृति दी है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भागलपुर एक व्यापारिक स्थान होने के नातें वहां से दिल्ली और कलकत्ता आने वाले व्यक्तियों की संख्या बहुत ज्यादा है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा दिल्ली से कलकत्ता बरास्ता भागलपुर विमान सेवाएं कब तक प्रारंभ किये जाने की संभावना है; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन मंत्री (श्री शरद यादव): (क) से (ग) जी नहीं। सरकार ने देश के विभिन्न क्षेत्रों की विमान परिवहन सेवा संबंधी आवश्यकता की बेहतर सेवा की दृष्टि से मार्ग

संवितरण मार्गदर्शी-सिद्धांत निर्धारित किए है। तथापि, यह विमान कंपनियों पर निर्भर करता है कि वे अपने वाणिज्यिक विवेक के अनुसार विशिष्ट स्थानों के लिए विमान सेवाएं मुहैया करे।

Operation of Air Services between Delhi and Calcutta via Bhagalpur

†*324. SHRI JANARDAN YADAV: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have approved any plan to operate air services between Delhi and Calcutta via Bhagalpur;

(b) whether Government are aware that being a business place there is rush of people coming to Delhi and Calcutta from Bhagalpur; and

(c) if so, by when Government are likely to start air services from Delhi to Calcutta via Bhagalpur; and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SHARAD YADAV): (a) to (c) No, Sir. Government has laid down route dispersal guidelines with a view to better serve and need for air transport services of different regions of the country. It is, however, up to the airlines to provide air services to specific places depending upon their commercial judgement.

श्री जनार्दन यादव: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जो जवाब आया है ए०बी०सी० में उसमें जो दूसरा 'बी' है कि भागलपुर एक व्यापारिक शहर है लेकिन इसके बारे में भी कहा है 'नो सर'। मैं कहना चाहता हूं कि भागलपुर एक रेशमी शहर है। वहां रेशम और टसर का उत्पादन होता है और यह सारे भारत में ही नहीं विश्व में यहां से जाता है। इसलिए रेशमी शहर होने के नाते इसका संबंध विश्व से है। वहां से रेशम और टसर के कपड़े का निर्यात होता है।

भागलपुर में एक बढ़िया एयरपोर्ट है। नया एयरपोर्ट बनाने की आवश्यकता नहीं है। वहां से आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या भी ज्यादा है। उस आधार पर जो दिल्ली से कलकत्ता प्लेन जाता है क्या उसको वाया भागलपुर ले जाने की सरकार की कोई योजना है? यही मैंने पूछा था। व्यापारिक दृष्टि से भी और जो आपने कामर्शियल व्यू लिया है इन दोनों को मैं समझता हूं

†Original notice of the Question received in Hindi.

कि भागलपुर पूरा करेगा। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि भागलपुर से प्लेन चलाने की कोई व्यवस्था क्यों नहीं है?

श्री शरद यादव: सभापति जी, एक तो जो भागलपुर का एयरपोर्ट है वह सुबाई सरकार का है, नम्बर एक। नम्बर दो, जो माननीय सदस्य ने कहा है कि वहां से फ्लाइट चलायी जाए तो निश्चित तौर पर जो हवाई सेवा है उसको लोगों की सुविधा के अनुसार भी चलाना होता है और यह भी देखना होता है कि जो सर्विसेज चल रही हैं वे कामर्शियली वायेबुल भी हों। तो मैं सोचता हूं कि भागलपुर का मामला जो है—वह व्यापारिक केन्द्र जरूर है मैं माननीय सदस्य से सहमत हूं लेकिन जो सेवाएं चल रही हैं पटना और रांची से उनकी भी पूरी डिमांड नहीं है यानी जो ट्राफिक है वह पूरा नहीं हो पाता है, उसमें भी कमी है इसलिए जो भागलपुर का प्रस्ताव आप कर रहे हैं, न तो हमारा विचार है उसको बनाने का और न वह एयरपोर्ट हमारा है और न वह वाएबुल है। रहा सवाल सर्विसेज का तो मैं सोचता हूं कि कलकत्ता से रांची और पटना को तथा मुम्बई, लखनऊ, दिल्ली सब तरफ से जोड़कर रखा हुआ है। माननीय सदस्य जानना चाहेंगे तो मैं उस को भी बता दूंगा लेकिन मैं समझता हूं कि वह वाएबल नहीं है। फिर हमारे पास वैसे भी 54 जहाज हैं जिन से हम किसी तरह पूरे देश की सोशल ऑब्लीगेशन पूरी कर रहे हैं, इसलिए भागलपुर के प्राइवेट एअरपोर्ट और सुबाई सरकार का होने के कारण वहां के लिए यह सुविधा देना संभव नहीं है।

श्री जनार्दन यादव: सर, मेर दूसरा प्रश्न यह है कि क्या प्राइवेट एअरलाइंस को आप भागलपुर से पैसेंजर्स लाने व ले जाने की अनुमति देंगे और क्या एक सर्वेक्षण कराएंगे कि भागलपुर व्यापारिक दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं है?

श्री शरद यादव: सभापति जी, निश्चित तौर पर जो छोटे स्थान हैं, वहां छोटे जहाज चलाए जा सकते हैं, लेकिन जितनी भी एअरलाइंस आई, उन का प्रयास सफल नहीं हुआ। सभापति जी, हमारा प्रयास ए०टी०आर० वाले टर्बो प्रोप के छोटे जहाज चलाने का है, लेकिन उन को चलाने के लिए हमें कई तरह की सुविधाएं देनी पड़ेगी जिस पर हम गंभीरतापूर्वक विचार कर रहे हैं ताकि सारे देशभर की छोटी-छोटी जगहों को वायु मार्ग से जोड़ा जा सके। अभी हमारे पास छोटे प्लेन नहीं हैं और उन को खरीदने का प्रस्ताव भी है, लेकिन अभी तक उस में सफलता नहीं मिली है। हम सोचते हैं कि उस में आगे सफलता मिलेगी। सभापति जी, जैसा माननीय सदस्य ने कहा है छोटी जगहों के लिए जहाज चलाने का काम विचाराधीन हैं, लेकिन मैं इस मौके पर इतना जरूर कहना चाहूंगा कि उस में भागलपुर या किसी एक विशेष जगह का नाम लेने में मैं अभी सक्षम नहीं हूं।

श्री रामजीलाल: सभापति जी, भागलपुर में वायुयान सेवा के बारे में मंत्री जी का जवाब नहीं में है, लेकिन मैं माननीय मंत्री जी से जानना चहूंगा कि परिवहन की बेहतर सेवाओं की दृष्टि से जो सिद्धांत निर्धारित किए गए हैं, उस में सूरत का नाम है या नहीं क्योंकि सूरत

कपड़े का बड़ा व्यापारिक केन्द्र है, लेकिन सूरत के लिए अभी तक वायुयान सेवा उपलब्ध नहीं है?

श्री शरद यादवः सभापति जी, मैं पहले ही इस का जवाब दे चुका हूं।

श्री सभापतिः इस में सूरत का सवाल नहीं आता।

SHRI M. J. VARKEY MATTATHIL: Sir, from the 1st of November, a flight has been operating from Cochin to Delhi *via* Bombay. Prior to that, the flight was from Cochin to Delhi *via* Goa. Now, whenever we come to Bombay, the flight is delayed for more than 2 or 3 hours, plus we have to change the aircraft.

(*Interrumption*) Yes, it is happening every day. *(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: The question is about Bhagalpur. *(Interruptions)*.

SHRI M.J. VARKEY MATTATHIL: The hon. Minister is here; so, he has to answer. *(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: No; no. You are not putting a proper question. *(Interruptions)*. You are not putting a proper question.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमीः सर मुझे सिर्फ इतना कहना है कि 'तुम आसमां की बुलंदी से जल्द लौट आओ, कि हमें जमी पर बात करनी है।'

और जमीं की मसाइल में सिर्फ कलकत्ता, मुंबई, दिल्ली और मद्रास ही नहीं हैं, भागलपुर भी है। सर, भागलपुर एक बड़ी जगह है जहां से कई उपलब्धियां भी सामने आती हैं। सर, भागलपुर का रिकार्ड बताता है कि वहां के लोग ज्यादा सफर करते हैं। मैं मिनिस्टर साहब से कहना चाहूंगा कि मसलन गोरखपुर, इलाहबाद में बड़े जहाज चलते थे, वह बंद कर दिए गए और छोटे जहाज 21वीं या 22वीं सदी में आएंगे, यह कहना बहुत मुश्किल है। इसलिए मुझे अर्ज करना है कि भागलपुर के लिए क्या खुला हुआ आश्वासन सरकार देने के लिए तैयार है कि वहां की जरूरत के पेशे-नजर भागलपुर का ख्याल रखा जाएगा और प्लेन चलाया जाएगा। फिर छोटे प्लेन का क्या सवाल है, आप ने इलाहबाद के और गोरखपुर के बड़े प्लेन क्यों बंद कर दिए? क्या सरकार भागलपुर को कोई महत्व देने के लिए तैयार नहीं है?

श्री शरद यादवः सभापति जी, भागलपुर एक तो हमारा एअरपोर्ट नहीं है, सुबाई सरकार का है, लेकिन उसकी वाइबिलिटि और दूसरी तमाम चीजें, जैसा माननीय सदस्य कह रहे हैं,

निश्चित तौर पर देखना होता है। सभापति जी, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि देश में सिर्फ दस एअरपोर्ट प्रोफिट में हैं और सैकड़ों जो हैं वह घाटे में हैं। जो आपने कहा है, वह बात आपकी बहुत अच्छी है, हम तो चाहते हैं कि भागलपुर ही नहीं और भी ज्यादा जगह बढ़े, लेकिन उसकी वाइबिलिटि पर भी हम लोगों को ध्यान देना होगा।

श्री सभापति: ठीक है, हो गया।

श्री नरेश यादव: सभापति जी, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं। माननीय मंत्री जी ने अपने रेप्लाई में दो बातें कही हैं—एक तो सोशल ओब्लीगेशन की और दूसरी इकोनोमिक वाइबिलिटि की। तो, सर, सोशल ओब्लीगेशन का आलम यह है कि भागलपुर दो चीजों के लिए प्रसिद्ध है—एक तो भागलपुर को सिल्क सिटी कहा जाता है और दूसरे भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय, जहां बौद्धिक शिक्षा दी जाती थी, वह स्थापित है। तो मैं जानना यह चाहता हूं कि इस हैसियत से और इसके ऐतिहासिक महत्व को भी देखते हुए क्या वहां पर आप विमान सेवा चलाएंगे? यह मेरे प्रश्न का "क" भाग है और "ख" भाग में मैं यह जानना चाहूंगा कि किस आधार पर आपने यह जांच की कि भागलपुर से कोई विमान सेवा हो या न हो। आधार तो दो ही हैं, या तो परिवहन है या ट्रेन है आने जाने के लिए। आपने देखा होगा कि वहां से दिल्ली आने के लिए कितना ट्रेफिक है। ऐसे ही कह देना कि वाइबल नहीं है, यह क्या बात हुई? आखिर आधार क्या है? जब वहां से ट्रेन भर भर कर आती हैं, परिवहन सेवाएं भर भर कर आती हैं, तब आधार तो हो गया? जब विमान सेवाएं चलाई जाएंगी, तब तो आधार सामने आएगा। तो हम यह कहना चाहते हैं कि प्रयोग के तौर पर 6 महीने के लिए ही सही, एक वर्ष के लिए ही सही, भागलपुर-कलकत्ता-दिल्ली की विमान सेवाएं देने के प्रस्ताव क्या आप करेंगे?

MR. CHAIRMAN: It is a suggestion for acceptance. *(Interruptions)*... He has already replied to your question. Shri Keswani.

SHRI SURESH A. KESWANI: Mr. Chairman, Sir. I would like to request the hon. Civil Aviation Minister to bring to the light and knowledge of this House the fact that the small airplanes, which were considered viable for plying between locations like Bhagalpur and smaller towns, are not economically viable and this proposal has been rejected time and again. The Indian Airlines have submitted for the information of the Civil Aviation Ministry that there is no question of considering these places because the cost cannot be recovered either in the short run or in the long run. Let him bring this chapter to an end and inform this House as to what the true position is.

Secondly, the viability of connecting smaller towns with larger towns can arise only when the fares of such operations are subsidised by long-haul connecting operations. Why can't the Civil Aviation Minister inform this House and bring to an end this continuously arising debate?

श्री शरद यादव: सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिए हैं वह मंत्रालय के विचाराधीन हैं और इस पर हम विचार कर रहे हैं कि किस तरह से इस समस्या से निपटा जाए। समस्या तो आपको मालूम ही है और वह है सबसे ज्यादा पैसे की। हमारे पास प्लान तो हैं, सारी चीजों की योजनाएं हैं। जो आप कह रहे हैं, उस काम में हम लोग लगे हुए हैं और जब काम संपन्न हो जाएगा तो फिर आपको बताएंगे।

Bill to bar candidates from contesting from more than one Constituency

*325. SHRI P. PRABHAKAR REDDY: Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to a statement of the Union Home Minister, as reported in the Business Standard dated the 24th August, 1999 to the effect that a bill proposing to bar candidates from fighting elections from more than one Lok Sabha constituency is on the anvil;

(b) if so, whether major political parties and the Election Commission have been consulted and their view points ascertained; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI RAM JETHMALANI): (a) The Union Home Minister has, at no stage mentioned that a Bill proposing to bar candidates from fighting elections from more than one constituency is on the anvil.

(b) and (c) Do not arise.

Sir, there has been some misreporting in the newspapers. Enquiries made from the hon. Minister revealed that he had made no